भारतीय तीरंदाज तरुणदीप राय को पेरिस ओलंपिक में पदक की आस, बोले- अभी नहीं तो कभी नहीं..

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में सिर्फ एक दिन का समय बचा है। भारत ने 117 खिलाड़ियों का दल भेजा है जिनसे देश को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। तीरंदाजी में खिलाड़ियों ने क्वालिफाई किया है, जिनमें तीन पुरुष और इतनी महिलाएं शामिल हैं। वैश्विक टूर्नामेंट के आगाज से पहले अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय ने पदक की उम्मीद जताई है। 40 वर्षीय राय पेरिस ओलंपिक में टीम के अनौपचारिक मेंटर के तौर पर काम कर रहे हैं। अपने चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेते हुए उनके लिए यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। उन्हें अपने पहले पदक की उम्मीद है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप (2005, 2019) में दो रजत, तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित नौ विश्व कप पदक, एशियाई चैम्पियनशिप में दो रजत और एक कांस्य पदक जीते हैं। अभी नहीं तो कभी नहीं राय ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, हर दिन भावनात्मक होता है। यह चौथी दफा है। मेरे लिए यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। मैं अपने साथी तीरंदाजों से भी कहता हूं। शायद कोई अपना पहला या दूसरा ओलंपिक खेल रहा हो, लेकिन उसे इस तरह सोचना चाहिए कि अभी नहीं तो कभी नहीं। आपको इस तरह प्रयास करना चाहिए जैसे कि यह आपका आखिरी ओलंपिक हो।

टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी सिक्किम के अनुभवी तीरंदाज ने 2004 एथेंस, 2012 लंदन और 2021 टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। टोक्यो में तीरंदाजी की पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी जिसमें राय भी शामिल थे। उन्होंने कहा, ओलंपिक हर खिलाड़ी का सपना होता है और मैं भी इससे अलग नहीं हूं। इसके लिए आपको सर्वश्रेष्ठ तैयारी करनी होती है। आपको क्वालिफाई करने और पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है। राय ने आगे कहा, इस ओलंपिक में तीन साल के अंतराल के बाद खेल रहा हूं। कई बदलाव आये हैं जो सकारात्मक हैं। तोक्यो में जो भी कमी रह गई थी उसे दूर करना मेरा लक्ष्य है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अब तक नहीं जीता पदक भारतीय तीरंदाज 1988 में पदार्पण के बाद से नियमित रूप से ओलंपिक में हिस्सा लेते रहे हैं लेकिन अभी तक पदक नहीं जीत पाए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

नीता अंबानी दूसरी बार चुनी गईं आईओसी की सदस्या, 2016 में पहली बार बनीं थीं हिस्सा

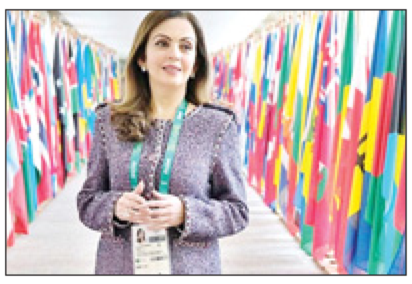

नई दिल्ली । नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। रिलायंस फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने एक बार फिर नीता अंबानी में अपना विश्वास जताया है। उन्हें सर्वसम्मति से एक बार फिर आईओसी की सदस्या चुना गया है। उनके पक्ष में कुल 93 वोट पड़े। 2016 में रियो डी जेनेरियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आईओसी सदस्या चुनी गईं थीं। मेरा दोबारा चुना जाना भारतीयों के लिए गर्व की बात नीता अंबानी के पक्ष में 100 प्रतिशत वोट पड़े, जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का सदस्य चुना गया। इस मौके पर उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं प्रेसिडेंट बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। यह पुनर्निर्वाचन न केवल मेरे लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करना चाहती हूं और भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं तत्पर हूं। नीता के नेतृत्व में बना इंडिया हाउस नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। नीता अंबानी के नेतृत्व में ही पहली बार ओलंपिक में इंडिया हाउस बनाया गया है। जो पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए भारत से दूर एक घर की तरह है।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलंपिक से हटे वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर गले में संक्रमण (टॉन्सिल) के कारण पेरिस ओलंपिक से हट गए। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉक्टर ने उन्हें सलाह दी है कि वह ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लें। जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन के साथ अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे। ओलंपिक टेनिस का ड्रॉ होगा, जबकि मुकाबले शुरू होंगे। सिनर ने इटैलियन में लिखा, ओलंपिक से चूकना बड़ी निराशा है क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था। उन्होंने लिखा, मैं इस बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था। इससे पहले विंबलडन में सिनर को दानिल मेदवेदेव ने पांच सेट तक चले क्वार्टर फाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। मेदवेदेव ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए सिनर को 6-7 (7), 6-4, 7-6 (4), 2-6, 6-3 से हराया था। सिनर को इस मैच के दौरान अपने ट्रेनर से उपचार लेना पड़ा था और वह तीसरे सेट में कोर्ट से चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि सिनर को क्या हुआ था। लॉकर रूम में जाने से पहले उनकी हृदय गति की जांच भी की गई थी।

पीकेएल 11 के लिए मुंबई में होगी खिलाड़ियों की नीलामी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त को मुंबई में होगी। लीग का सफर एक दशक पहले मुंबई में यू मुंबा और जयपुर पिंक पैंथर्स के बीच रोमांचक मुकाबले से शुरू हुआ था। 1 मार्च, 2024 को प्रो कबड्डी लीग के सफल 10वें सीजन को पूरा करने के बाद यह लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी खेल लीग बन गई है। इसके अलावा, लीग के लिए नए लोगो का भी अनावरण किया गया है। लोगो में भारतीय तिरंगे के समान केसरिया और हरा रंग दिखाया गया है, जो कबड्डी के खेल को देश के गौरवशाली खेल के रूप में दर्शाता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हो रही है। कबड्डी कई वर्षों से भारत का लोकप्रिय खेल रहा है और प्रो कबड्डी में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी अनुशासन के रूप में मजबूती से प्रदर्शित होता है। यह प्रो कबड्डी के सभी हितधारकों के साथ-साथ एकेएफआई की देखरेख में देश के कबड्डी से जुड़े लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

बेटी ने पहनाया मेडल तो भावुक हुए लिएंडर पेस, मार्टिना की स्पीच ने जीता दिल

नई दिल्ली ।
पूर्व भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। उनके अलावा टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज को भी इस सम्मान से नवाजा गया। इसी के साथ दोनों इस खिताब को जीतने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए।

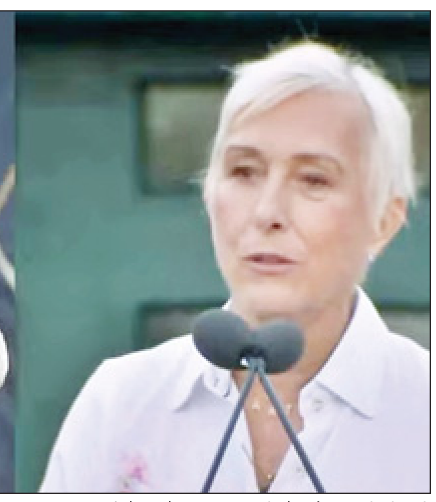

पेस को यह सम्मान दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने दिया। दोनों ने 2003 में विंबलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्स्ड डबल्स के खिताब अपने नाम किए थे। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंतत: ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया।

बेटी ने पहनाया मेडल

खास बात यह है कि पेस को यह मेडल उनकी बेटी ने पहनाया जिसके बाद वह भावुक हो गए। नवरातिलोवा ने पेस को सम्मानित करने के लिए उनकी बेटी अयाना को स्टेज पर आमंत्रित किया। बेटी के हाथों मेडल पहनकर भारतीय दिग्गज की आंखें नम हो गईं। इससे पहले नवरातिलोवा ने कहा, यह सच में एक सम्मान की बात है और मैं बहुत खुश हूं कि न केवल एक बल्कि भारत के दो पुरुषों ने यह पुरस्कार जीता। पहले दो एशियाई पुरुष...जिन्होंने ऐसा किया।

नवरातिलोवा ने की तारीफ

नवरातिलोवा ने पेस की तारीफ करते हुए कहा, अद्भुत...कोलकाता से लींडर पेस...18 प्रमुख खिताब, 8 मेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स, डबल्स में करियर ग्रैंड स्लैम...कुल 55 डबल्स खिताब. हमने साथ में दो जीते...सिंगल्स में ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता, टेनिस में एकमात्र भारतीय मेडल। 7ओलंपिक में खेले...खिलाड़ी और कप्तान के रूप में डेविस कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अब तक के सबसे ज्यादा 45 डेविस कप मैच में जीत. 37 हफ्तों तक दुनिया के नंबर-1 रहे। भारत का सर्वोच्च खेल पुरस्कार और 2014 में तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्राप्त किया, लेकिन ये सब सिर्फ नंबर हैं।

पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं।

पेस ने पिता की कही बातों को किया याद

पेस ने कहा, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंडस्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था।

विवादित मैच से शुरू हुआ फुटबॉल मोरक्को से मुकाबला खत्म होने के दो घंटे बाद हारा अर्जेंटीना

पेरिस ।
पेरिस ओलंपिक में मुकाबलों की हंगामेदार शुरुआत हुई है। अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच जिस फुटबाल मैच को 2-2 से ड्रॉ घोषित कर दिया, उसका परिणाम मोरक्को समर्थकों के हंगामे के दो घंटे बाद बदल गया। अर्जेंटीना की ओर से स्टॉपेज समय के 16वें मिनट में किए गए गोल के बाद सेंट एटिने स्टेडियम में मोरक्को के समर्थक मैदान में घुस आए। उनके जबरदस्त हंगामे के बाद आयोजकों ने कहा मैच अभी समाप्त नहीं हुआ है। वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की ओर से दर्शकों के हंगामे के बाद गोल की समीक्षा की गई, जिसे खारिज कर स्कोर वापस 2-1 से मोरक्को के पक्ष में कर दिया गया। बाद में मैच खाली स्टेडियम में तीन मिनट 15 सेकंड के लिए कराया गया। मोरक्को ने यह मैच 2-1 से जीता। ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट ने भी मैच 2-2 से ड्रॉ घोषित किया 2008 के बीजिंग ओलंपिक विजेता और वर्तमान विश्व चैंपियन अर्जेंटीना पहले ही मैच में मोरक्को के हाथों उलटफेर का शिकार हो गया। मोरक्को के लिए रहीमी सुफियान ने 45वें और 49वें मिनट में गोल कर टीम को 2-0 से आगे किया। साइमन ज्यूलिआनो ने 68वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-2 कर दिया। मोरक्को जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अंतिम क्षणों में मेदिना क्रिस्टियन ने गोल कर अर्जेंटीना को 2-2 की बराबरी दिला दी। यहीं से हंगामा शुरू हुआ। मोरक्कों के समर्थकों का मानना था कि मेदिना ऑफ-साइड थे। गोल होते ही मैच समाप्त घोषित कर दिया गया। ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट पर भी परिणाम 2-2 ड्रॉ घोषित कर दिया गया। मैदान पर उतरे दर्शकों का हंगामा थमते नहीं देख, घोषणा की गई कि मैच खत्म नहीं हुआ है और वार गोल की समीक्षा करेगा। वार ने काफी देर के बाद मेदिना का गोल खारिज किया। दो घंटे बाद जब सारे दर्शक मैदान से बाहर चले गए तो खाली स्टेडियम में मैच कराया गया। स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर विजयी आगाज किया वहीं, इसी माह यूरोपियन चैंपियन बनने वाले स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर विजयी आगाज किया। यह मुकाबला फ्रेंच फुटबाल स्टार काइलिन म्बापे के पुराने घर पार्क डेस प्रिंसेज में खेला गया।

विराट ओर गंभीर बेहद उर्जावान, ड्रेसिंग रूम साझा करते ही बनेगा समन्वय: नेहरा

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि बल्लेबाज विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर काफी उर्जावान हैं और इन दोनो में किसी प्रकार के मतभेद नजर नहीं आते। जैसी की धारणा बनायी जा रही है। नेहरा ने कहा कि ये दोनो ही बेहद अनुभवी हैं और जैसे ही ये ड्रेसिंग रूम साझा करना शुरू कर देंगे, इनमें समन्वय बनने लगेगा। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम का कोच पद संभालने जा रहे हैं। वहीं कोहली एकदिवसीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहेंगे। पिछली बार आईपीएल के दौरान दोनों के बीच मैदान पर बहस हुई पर इस बार के सत्र में दोनो उत्साह के साथ मिले थे। इससे साफ है कि दोनो में अब कोई मतभेद नहीं हैं।

नेहरा ने कहा, विराट और गंभीर दो बहुत ही उत्साह से भरे लोग हैं। जब भी वे किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो वे विपक्षी टीम के खिलाफ पूरी ताकत लगा देते पर जब वे ड्रेसिंग रूम में साथ होते हैं, तो वे टीम के लिए एकजुट होते हैं। विराट के पास करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। वहीं गंभीर भी बेहद अनुभवी हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बीच पहले भी मैदान पर झगड़े हुए हैं पर जब वे किसी टीम के लिए साथ खेलते हैं, तो वे एक खिलाड़ी, कोच-कप्तान, कोच और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। नेहरा ने यह भी कहा कि गंभीर हमेशा स्पष्ट और पारदर्शी रहते हैं और हमेशा अपनी बात सामने रखते हैं , ये काफी अच्छी बात है। जहां तक कोचिंग का सवाल है हर किसी की अपनी शैली होती है, कोच, कप्तान और खिलाड़ी के साथ काम करने की। मुझे इन दोनों के साथ कोई समस्या नहीं दिखती।

पहले मैच में ब्रिटेन की हर्से से भिड़ेंगी मनिका, शरत कमल का स्लोवेनिया के कोजुल से होगा सामना

पेरिस ।
भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल के शुरूआती दौर में ब्रिटेन की अन्ना हर्से से भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी अचंता शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी कोजुल के सामने होंगे। ड्रॉ की घोषणा हुई। मनिका को 18वीं वरीयता मिली है और यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक है। वह 2021 तोक्यो ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जोर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा। जी साथियान मुख्य टीम में जगह नहीं बना सके जिससे उन्हें 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। वह 2018 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम के सदस्य रह चुके हैं। महिलाओं की टीम स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 11वीं वरीयता प्राप्त भारत का सामना चौथी वरीय रोमानिया से होगा। जीतने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी। हाल में मनिका अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं। मनिका और श्रीजा के अलावा महिला टीम की तीसरी सदस्य अर्चना कामत हैं। अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी हैं। भारतीय पुरुष टीम में शरत कमल, मानव ठक्कर और राष्ट्रीय चैम्पियन हरमीत शामिल हैं जिसका सामना शुरूआती दौर में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज चीन से होगा। पेरिस ओलंपिक में पहली बार भारत टीम स्पर्धा में हिस्सा लेगा। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला टीम स्पर्धायें 2008 बीजिंग ओलंपिक में शुरू की गई थीं।

36 साल के गेंदबाज ने बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे खूंखार बॉलर्स बहुत पीछे छूटे

नई दिल्ली ।
ओमान टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज बिलाल खान ने नामीबिया के खिलाफ वनडे प्रारूप में इतिहास रच दिया। 36 साल के बिलाल खान वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में एक मेडन सहित 50 रन देकर तीन विकेट झटके। बिलाल खान ने अपने वनडे करियर के 49वें मैच में सबसे तेज 100 विकेट लेने का कमाल किया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा। पता हो कि किसी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब बिलाल खान के नाम दर्ज हो गया है।

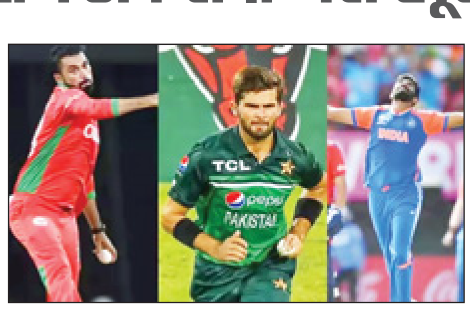

याद दिला दें कि शाहीन अफरीदी ने अपने करियर के 51वें वनडे मैच में 100 विकेट पूरे किए थे। वहीं, कंगारू पेसर मिचेल स्टार्क ने 52वें मैच में 100 विकेट का आंकड़ा पूरा किया था। भारत की तरफ से मोहम्मद शमी (56) और जसप्रीत बुमराह (57) ने 100 विकेट का आंकड़ा पार किया था।

सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

- 49 – बिलाल खान (ओमान)
- 51 – शाहीन अफरीदी (पाकिस्तान)
- 52 – मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
- 54 – शेन बांड (न्यूजीलैंड)
- 54 – मुस्ताफिजुर रहमान (बांग्लादेश)
- 55 – ब्रेट ली (ऑस्ट्रेलिया)
- 56 – ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड)
- 56 – मोहम्मद शमी (भारत)
- 57 – जसप्रीत बुमराह (भारत)
- 57 – मैट हेनरी (न्यूजीलैंड)

संदीप लामिछाने के नाम दर्ज है रिकॉर्ड – पता हो कि नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने के नाम वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। लामिछाने ने केवल 42 मैचों में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया। वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के अनुभवी लेग स्पिनर राशिद खान मौजूद हैं। राशिद ने 44 मैचों में विकेटों का शतक पूरा किया था।

ओमान ने जीता मैच – बता दें कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में ओमान और नामीबिया के बीच 17वां मुकाबला खेला गया। डुंडी में खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करके 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 196 रन बनाए। जवाब में ओमान ने 5 गेंदें शेष रहते 4 विकेट से मैच जीत लिया।

तुषारा श्रीलंका की टी20 सीरीज से बाहर; मदुशंका को प्रतिस्थापन नामित किया गया

कोलंबो। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ श्रीलंका की आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने उनके प्रतिस्थापन के रूप में दिलशान मदुशंका को नामित किया है। एसएलसी ने अपने बयान में कहा कि तुषारा को पल्लेकेले में अभ्यास के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई। इसमें कहा गया है कि प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि खिलाड़ी के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है। तुषारा इतने दिनों में बाहर होने वाले दूसरे श्रीलंकाई तेज गेंदबाज हैं, दुष्मंथा चमीरा को ब्रोंकाइटिस और श्वसन संक्रमण से अभी भी उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था, उनके प्रतिस्थापन के रूप में असिथा फर्नांडो को नामित किया गया था। तुषारा, जिन्होंने अपने स्लिंगिंग बॉलिंग एक्शन से तहलका मचा दिया था, जून में पुरुष टी20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए कुछ आशाजनक स्थानों में से एक थे, जिन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए थे। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 5-20 के आंकड़े हासिल करते हुए टी20 हैट्रिक भी ली थी। भारत अपने श्रीलंका दौरे की शुरुआत 27 और 28 जुलाई को लगातार टी20 मैचों के साथ करेगा, जिसके बाद 30 जुलाई को तीसरा मैच खेला जाएगा। इसके बाद परिदृश्य कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में स्थानांतरित हो जाएगा, जहां 2, 4 और 7अगस्त को क्रमश: तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।